

## मई में म्यूचुअल फंड: बाजार की मार, पर सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान का सहारा

**निवेश का उत्साह घटा, इक्विटी-हाइब्रिड फंडों में 40 फीसदी की गिरावट**

नई दिल्ली

मई महीने में भारतीय शेयर बाजार में दिखी कमजोरी और बढ़ती अनिश्चितता का सीधा असर म्यूचुअल फंड उद्योग में पूंजी प्रवाह पर पड़ा है। एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, महीने के दौरान निवेशक धारणा में सतर्कता देखने को मिली, जिसके चलते इक्विटी और हाइब्रिड फंडों में शुद्ध निवेश की गति धीमी पड़ गई और यह अप्रैल के मुकाबले लगभग 40 फीसदी कम रहा। हालांकि, इस चुनौतीपूर्ण माहौल में भी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश लगातार

मजबूत बना रहा, जो खुदरा निवेशकों की परिपक्वता और दीर्घकालिक निवेश रणनीति को दर्शाता है। निवेशक धारणा में सतर्कता और एयूएम पर हल्का असर: मई में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ गया, जहां सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई। इसके अतिरिक्त, पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि ने वैश्विक बाजार को प्रभावित किया, जिससे भारतीय निवेशक भी अतिरिक्त सतर्क हो गए। इन कारकों के चलते, म्यूचुअल फंड उद्योग का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) मई में 81.6 लाख करोड़ रुपए रहा, जो अप्रैल के 81.8 लाख करोड़ रुपए से मामूली गिरावट दर्शाता है। हालांकि, यह आंकड़ा पिछले साल

की समान अवधि से अब भी 13 फीसदी अधिक है, जो उद्योग की अंतर्निहित दीर्घकालिक वृद्धि को रेखांकित करता है। इक्विटी और हाइब्रिड फंडों में प्रवाह धीमा, मुनाफावसुली भी हुई: एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग की रिपोर्ट के मुताबिक, मई में इक्विटी और हाइब्रिड फंडों में कुल शुद्ध निवेश घटकर करीब 27,800 करोड़ रह गया, जो अप्रैल में दर्ज किए गए मजबूत प्रवाह की तुलना में 40 फीसदी की महत्वपूर्ण कमी है। इक्विटी फंडों में 22,900 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया, जो अप्रैल के आंकड़ों की तुलना में कम है। इक्विटी श्रेणी के भीतर, फ्लेक्सो-कैप फंडों ने सर्वाधिक 5,180 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया, जो निवेशकों के बीच लचीलेपन की प्राथमिकता को दर्शाता है। स्मालकैप और

मिडकैप फंडों में भी निवेशकों की दिलचस्पी बनी रही और दोनों श्रेणियों में अच्छी रकम आई। हालांकि, थीमैटिक और सेक्टर-आधारित फंडों का आकर्षण घटता दिखा, जिसमें काफी कमी दर्ज की गई। रिपोर्ट यह भी बताती है कि नए निवेश में कमी के साथ-साथ कुछ निवेशकों द्वारा ऊंचे भाव पर मुनाफावसुली भी कुल पूंजी प्रवाह को कमजोर करने का एक कारण रही। एसआईपी की निरंतर शक्ति: खुदरा निवेशकों की बढ़ती परिपक्वता का प्रमाण मई महीने की सबसे सकारात्मक और महत्वपूर्ण बात सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए जारी रहा मजबूत पूंजी प्रवाह है। बाजार की अस्थिरता के बावजूद, एसआईपी के माध्यम से कुल 30,950 करोड़ रुपए का रिटर्न निवेश आया।

### न्यूज़ ब्रीफ

**फाक्सवैगन और जीप ने पेश की आकर्षक बायबैक योजना**



नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनियां फाक्सवैगन और जीप ने अपनी लोकप्रिय एसयूवी पर ऐसे आकर्षक शुरु किए हैं, जिनके तहत ग्राहक वाहन को कुछ वर्षों तक इस्तेमाल करने के बाद कंपनी को वापस देकर उसकी मूल एक्स-शोरूम कीमत का बड़ा हिस्सा हासिल कर सकते हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य ग्राहकों के लिए वाहन खरीद को अधिक सुरक्षित और आर्थिक रूप से लाभकारी बनाना है। फाक्सवैगन ने अपनी एसयूवी टाइगून के लिए सबसे आकर्षक बायबैक योजना पेश की है। कंपनी के अनुसार, ग्राहक यदि तीन वर्ष तक वाहन का उपयोग करते हैं और उसकी कुल दौड़ 30,000 किलोमीटर तक रहती है, तो उन्हें वाहन की मूल एक्स-शोरूम कीमत का 75 प्रतिशत तक वापस मिल सकता है। फिलहाल फाक्सवैगन टाइगून की कीमत 10.99 लाख रुपये से शुरू होकर 19.29 लाख रुपये तक जाती है। इस योजना को देश में उपलब्ध सबसे बेहतर बायबैक आकर्षकों में से एक माना जा रहा है। दूसरी ओर, जीप ने अपने कान्फिडेंस 7 कार्यक्रम के तहत कंपास और मेरिडियन एसयूवी पर बायबैक सुविधा उपलब्ध कराई है। इस योजना के अंतर्गत ग्राहकों को तीन वर्ष बाद वाहन की एक्स-शोरूम कीमत का 60 प्रतिशत तक सुनिश्चित बायबैक मूल्य मिल सकता है। हालांकि अंतिम राशि वाहन की स्थिति, माइलेज और उम्र के आधार पर तय की जाएगी। जीप कंपास की शुरुआती कीमत 17.99 लाख रुपये है, जबकि मेरिडियन कंपनी की प्रीमियम श्रेणी की एसयूवी मानी जाती है। इन दोनों माडलों के साथ ग्राहकों को सात वर्ष की विस्तारित वारंटी, रोडसाइड सहायता और दीर्घकालिक रखरखाव अनुबंध जैसी अतिरिक्त सुविधाएं भी प्रदान की जा रही हैं। आटोमोबाइल विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी योजनाएं ग्राहकों का भरोसा बढ़ाने के साथ-साथ नई गाड़ियों की बिक्री को भी गति देने में मददगार साबित हो सकती हैं। बता दें कि भारतीय आटोमोबाइल बाजार में ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए वाहन कंपनियां अब नई और लुभावनी बायबैक योजनाएं पेश कर रही हैं।

**मई 2026 में इनोवा सबसे ज्यादा बिकने वाली गाड़ी बनी**



नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी टोयोटा की इनोवा मई माह में सबसे ज्यादा बिकने वाली गाड़ी बनकर उभरी। इनोवा और इसके उन्नत संस्करण की संयुक्त बिक्री 10 हजार से अधिक इकाइयों तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है। यह आंकड़ा इस बात की पुष्टि करते हैं कि बड़े परिवारों और लंबी यात्राओं के लिए यह वाहन आज भी सबसे पसंदीदा विकल्प है। बिक्री सूची में दूसरा स्थान हाइराइडर को मिला, जिसने दोहरा अंक की वार्षिक वृद्धि दर्ज करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। ईंधन की बचत और आधुनिक सुविधाओं के कारण यह शहरी ग्राहकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। वहीं, ग्लैंजा की बिक्री में गिरावट देखी गई, जबकि प्रीमियम श्रेणी में फाच्यूरन ने अपनी लोकप्रियता बरकरार रखी और उसकी बिक्री में भी बढ़ोतरी दर्ज हुई। कंपनी के अन्य माडलों में रुमियन ने सकारात्मक वृद्धि दिखाई, जबकि टैसर की बिक्री में कुछ कमी आई। हील्क्स ने अपने सीमित बाजार के बावजूद प्रभावशाली वृद्धि हासिल की। प्रीमियम वर्ग में वेलफायर ने आश्चर्यजनक उछाल देखा, जबकि कैमरी रिश्नर रही और लैड क्रूजर अपने विशिष्ट ग्राहक वर्ग में लोकप्रिय बना हुआ है। समग्र रूप से, मई 2026 टोयोटा के लिए एक बेहतरीन माह महीना रहा, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में कुल बिक्री में लगभग पच्चीस प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

**बिक्री के मामले में हुंडई क्रेटा को पीछे छोड़ा महिंद्रा स्कार्पियो ने**



नई दिल्ली। भारतीय बाजार में मई 2026 में महिंद्रा स्कार्पियो ने बिक्री के मामले में लंबे समय से शीर्ष पर रही हुंडई क्रेटा को पीछे छोड़ दिया। बीते महीने में स्कार्पियो की कुल 15,774 इकाइयां बिकीं, जबकि क्रेटा 15,235 इकाइयों पर सिमट गई। स्कार्पियो देश की चौथी सबसे ज्यादा बिकने वाली खेल उपयोगी गाड़ी बन गई और क्रेटा पांचवें स्थान पर खिसक गई। हालांकि स्कार्पियो और क्रेटा अलग-अलग श्रेणियों के वाहन हैं - स्कार्पियो एक बड़ी, तीन-पकितियों वाली छह या सात यात्रियों की क्षमता वाली एसयूवी है, जबकि क्रेटा पांच यात्रियों के लिए तैयार किया गया मध्यम आकार का वाहन है - फिर भी बिक्री में यह उलटफेर बाजार की बदलती पसंद को दर्शाता है।

## डालर लाओ, कमाई बढ़ाओ! एफसीएनआर (बी) जमा पर बैंक दे रहे रिकार्ड तोड़ ब्याज

**एसबीआई, एचडीएफसी, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया भी मैदान में, करूर वैश्य और एयू बैंक टाप पर**

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विदेशी मुद्रा अनिवासी (बी) यानी एफसीएनआर (बी) जमा योजना के लिए नए नियमों की घोषणा के बाद भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), एचडीएफसी बैंक और सेंट्रल बैंक आफ इंडिया सहित कई घरेलू बैंकों ने इन जमा पर ब्याज दरों में नाटकीय वृद्धि की है। यह कदम देश में विदेशी मुद्रा के प्रवाह को बढ़ावा देने और मजबूत डालर के दबाव के बीच अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान करने के उद्देश्य से उठाया गया है। आरबीआई द्वारा हाल ही में जारी किए गए दिशानिर्देशों के तहत केंद्रीय बैंक इन जमा पर हेजिंग का पूरा खर्च वहन करेगा, जिसका अनुमान लगभग 3.5 फीसदी है। इस पहल ने बैंकों को जमाकर्ताओं को आकर्षक उच्च ब्याज दरें प्रदान करने का अवसर दिया है। एसबीआई ने अपनी एफसीएनआर (बी) दरों में 295 आधार अंक तक की वृद्धि की है, जबकि एचडीएफसी बैंक ने 260 आधार अंक तक की बढ़ोतरी की है। देश के सबसे बड़े ऋणदाता, एसबीआई ने एक विशेष योजना एसबीआई एडवांटेज एफसीएनआर (बी) जमा भी शुरू की है, जो 5 साल की अवधि के लिए 10 लाख डॉलर से अधिक की जमा राशि पर 6 फीसदी तक का ब्याज दे रही है। 13 से 4 साल की जमा राशि पर, एसबीआई ने 10 लाख डॉलर तक के लिए ब्याज दर बढ़ाकर 5.25 फीसदी और इससे अधिक की जमा पर 215 आधार अंक बढ़ाकर 5.50 फीसदी कर दी है। इसी तरह, 4 से 5 साल की जमा पर ब्याज दर 255 आधार अंक बढ़ाकर 5.50 फीसदी कर दी गई है। निजी क्षेत्र में, एचडीएफसी बैंक अब 3 से 5 साल की परिपक्वता वाले एफसीएनआर (बी) जमा पर 6 फीसदी तक का ब्याज दे रहा है, जो 2013 में इसी तरह की योजना का लाभ उठाने वाले अग्रणी बैंकों में से एक था। करूर वैश्य बैंक ने सबसे अधिक वृद्धि करते हुए 3 से 5 साल की जमा राशि के लिए अपनी अधिकतम ब्याज दर 300 आधार अंक से अधिक बढ़ाकर 7 फीसदी कर दी है, जो पहले 2.63 फीसदी सालाना थी।



**फसल बीमा नवीनीकरण में घमासान, कंपनियां मांग रही मोटा कमीशन**

नई दिल्ली। फसल बीमा कारोबार पिछले कुछ वर्षों में काफी लाभदायक रहा है, जिसका फायदा अब बीमा कंपनियां पुनर्बीमा कंपनियों से मोटा कमीशन वसूल कर उठा रही हैं। नवीनीकरण के समय देशी-विदेशी पुनर्बीमा कंपनियों में बढ़ती होड़ के कारण बीमा कंपनियां उनसे बड़ी कमीशन की मांग कर रही हैं। उद्योग अधिकारियों के मुताबिक बीमा कंपनियां इस बार प्रीमियम का 5 से 8 प्रतिशत कमीशन मांग रही हैं, जो पहले 3 से 5 प्रतिशत के बीच था। इस वृद्धि की मुख्य वजह फसल बीमा क्षेत्र में बढ़ता मुनाफा और पुनर्बीमा कंपनियों की कड़ी प्रतिस्पर्धा है। पिछले कुछ वर्षों में दावों में कमी और प्रीमियम दरों में गिरावट के बावजूद क्षेत्र लाभदायक बना हुआ है। केंद्र की नई तीन-वर्षीय योजना के विलंब के कारण अधिकतर राज्य इस बार एक वर्ष के लिए ही फसल बीमा की निविदाएं लाए हैं, जबकि पहले तीन साल की निविदाएं आती थीं। विशेषज्ञ इसे देरी की वजह मान रहे हैं। इस समय अल नीनो के संभावित प्रभाव को जोखिम का एक बड़ा कारण माना जा रहा है। अंतिम समझौते पर मुहर लगना अभी बाकी है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को खरीफ में 2 फीसदी, रबी में 1.5 फीसदी और वाणिज्यिक फसलों में 5 फीसदी जैसे कम प्रीमियम का भुगतान करना होता है।

एयू स्माल फाइनेंस बैंक ऐसी जमा पर 195 आधार अंक बढ़ाकर 7.1 फीसदी तक का आकर्षक ब्याज दे रहा है, जो वर्तमान में उच्चतम दरों में से एक है। सेंट्रल बैंक आफ इंडिया भी 3 से 5 साल की अवधि की जमा पर अधिकतम 6 फीसदी ब्याज दे रहा है। करूर वैश्य बैंक की नई दरें 10 जून से प्रभावी हो गई हैं। बैंकों का मानना है कि इन नई दरों का मकसद विदेशी मुद्रा में

अतिरिक्त जमा आकर्षित करना और देश में विदेशी मुद्रा के प्रवाह को बढ़ाने की आरबीआई की पहल में सहयोग करना है। बाजार विश्लेषकों और बैंकों द्वारा किए गए आकलन के अनुसार, विदेशी बैंकों को 20 अरब डॉलर से 30 अरब डॉलर तक के निवेश का अनुमान है, जबकि घरेलू बैंकों को 40 अरब डॉलर से अधिक की पूंजी आने की उम्मीद है।

**अडानी ने 3050 करोड़ में खरीदी इंटेलीस्मार्ट, स्मार्ट मीटर बाजार में बढ़ाएंगे दबदबा**



मुंबई। अडानी एनर्जी साल्यूशंस (ईएएसएल) ने स्मार्ट मीटर बनाने वाली कंपनी इंटेलिजेंट इंफ्रास्ट्रक्चर (इंटेलीस्मार्ट) को 3050 करोड़ रुपये में खरीद लिया है। यह डील सरकार की 25 करोड़ पारंपरिक मीटरों को बदलने की मेगा योजना के बीच हुई है, जिससे अडानी देश के पावर सेक्टर में अपनी स्थिति और मजबूत करेंगे। यह अधिग्रहण अडानी के लिए सिर्फ एक सौदा नहीं, बल्कि देश भर में स्मार्ट मीटरिंग पर दबदबा बनाने की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। गौतम अडानी की कंपनी ईएएसएल का यह कदम आने वाले दिनों में हर घर के बिजली बिल और मीटरिंग व्यवस्था को प्रभावित करने वाला है। इंटेलीस्मार्ट का अधिग्रहण अडानी के लिए महंगा सौदा लग सकता है क्योंकि उन्होंने कंपनी की सेल्स के मुकाबले करीब छह गुना ज्यादा कीमत चुकाई है, लेकिन यह भविष्य की एक बड़ी रणनीतिक तैयारी है। केंद्र सरकार की रिरेमड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत देश के 25 करोड़ पुराने और पारंपरिक बिजली मीटरों को स्मार्ट मीटरों से बदलने का लक्ष्य है। इंटेलीस्मार्ट के पास पहले से ही उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार और असम जैसे बड़े राज्यों में 2.2 करोड़ से अधिक स्मार्ट मीटरों का मजबूत पोर्टफोलियो है। ईएएसएल खुद भी 1 करोड़ से ज्यादा स्मार्ट मीटर लगा चुकी है, जिससे यह डील उनकी बाजार हिस्सेदारी को कई गुना बढ़ा देगी।

## सोने के भाव में लगातार दूसरे दिन बड़ी गिरावट, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में जबरदस्त गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 2,950 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं, चेन्नई में सोने के भाव में 3,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई। सोना के विपरीत चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

भाव में गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,270 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, 22 कैरेट सोना 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,34,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,45,780 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह



अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,47,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,47,270 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,34,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,45,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भाव में गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,270 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, 22 कैरेट सोना 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,34,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

## ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

**ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ**

**जान्स पर्युचर्स भी बढ़त के साथ**

**कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के**

**दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं,**

**एशियाई बाजार भी मजबूती के साथ**

**कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं।**

ईरान के साथ समझौता होने के संबंध में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऐलान और



ईरान के खिलाफ हमले की योजना को रद्द करने की बात सामने आने के बाद से दुनिया भर के

बाजार में उत्साह का माहौल बना हुआ है। वर्ल्ड स्ट्रीट में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी

होती रही। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 929.97 अंक यानी 1.86 प्रतिशत उछल कर 50,848.75 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स 127.31 अंक यानी 1.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,394.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा नैस्डेक ने 640.16 अंक यानी 2.54 प्रतिशत की छलांग लगा कर 25,809.66 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 50,877.32 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की छलांग लगा कर 10,303.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,200.80 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएक्स इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ

24,209.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजारों में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में है। एशियाई बाजार में इकलौता गिफ्ट निफ्टी 0.08 प्रतिशत फिसल कर 23,384 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, स्ट्रैट्स टाइम्स इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,007.66 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.83 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,585.39 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। फोर्सेस इंडेक्स ने जबरदस्त छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 639.41 अंक यानी 8.24 प्रतिशत उछल कर 8,403.36 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 2,222.73 अंक यानी 3.46 प्रतिशत की उछाल के साथ 66,440 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।